

ज्योतिहीन वि. (तत्.) प्रकाशरहित, प्रभाहीन।

ज्योत्स्ना स्त्री. (तत्.) 1. चाँदनी, चंद्रमा का प्रकाश 2. प्रकाश, उजाला 3. सौँफ।

ज्योत्स्नाप्रिय वि. (तत्.) चकोर (चकोर चंद्रमा के प्रकाश को टकटकी लगाकर देखता है)।

ज्योत्स्ना स्नात वि. (तत्.) 1. चाँदनी में नहाया हुआ 2. पूर्ण प्रकाशमय 3. चंद्रिका की आभा से युक्त।

ज्योत्स्नी स्त्री. (तत्.) दे. ज्योत्स्निका।

ज्योत्स्नेश पुं. (तत्.) चंद्रमा।

ज्योत्स्निका स्त्री. (तत्.) 1. चाँदनी रात 2. सफेद फूल वाली तोरई।

ज्योनार पुं. (देश.) 1. दावत 2. भोज 3. पका हुआ भोजन मुहा. ज्योनार बैठना- अतिथियों का भोजन करने बैठना; ज्योनार लगाना- अतिथियों के सामने व्यंजनों को क्रम से लगाना।

ज्वर पुं. (तत्.) 1. बुखार 2. स्वाभाविक ताप से- अधिक शारीरिक ताप जो अस्वस्थता प्रकट करे 3. मानसिक क्लेश, दुख मुहा. ज्वर उतरना- बुखार दूर होना, ज्वर का जाते रहना; ज्वर चढ़ना- ज्वर आना, ज्वर का प्रकोप होना।

ज्वरांकुश पुं. (तत्.) 1. कुश की तरह की एक घास 2. ज्वर की एक औषध।

ज्वरांगी स्त्री. (तत्.) भद्रदंती नाम का पौधा।

ज्वरांतक पुं. (तत्.) चिरायता, अमलतास।

ज्वरा पुं. (तत्.) मृत्यु, मौत।

ज्वराज पुं. (तत्.) ज्वर की एक औषध।

ज्वरातिसम् पुं. (तत्.) ज्वर के साथ अतिसार रोग।

ज्वरापात स्त्री. (तत्.) बेलपत्री।

ज्वरित वि. (तत्.) ज्वरयुक्त।

ज्वलंत वि. (तत्.) 1. जलता हुआ 2. प्रकाशमान 3. स्पष्ट प्रयो. ज्वलंत प्रमाण, स्पष्ट प्रमाण।

ज्वल पुं. (तत्.) 1. ज्वाला 2. जलता हुआ, दीप्ति, प्रकाश।

ज्वलका स्त्री. (तत्.) अग्निशिखा, आग की लपट।

ज्वलन पुं. (तत्.) 1. जलने की क्रिया, जलने का भाव 2. जलन 3. दाह 4. ज्वाला, लपट 5. चित्रक वृक्ष वि. 1. प्रकाश-कारक 2. प्रकाश-युक्त 3. प्रकाशित करने वाला।

ज्वलनांक पुं. (तत्.) 1. जलाने में सक्षम ताप की मात्रा 2. वह अवस्था जिस पर ताप इतना बढ़ जाता है कि जलने की स्थिति आ जाए या पैदा हो जाए।

ज्वलनाश्म पुं. (तत्.) सूर्यकांतमणि।

ज्वलित वि. (तत्.) दग्ध, जला हुआ, जलता हुआ, दीप्त।

ज्वलिनी स्त्री. (तत्.) मरोड़ फली, मूर्वा लता।

ज्वल्य वि. (तत्.) जल उठने योग्य।

ज्वान वि. (देश.) दे. जवान।

ज्वार स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का मोटा अनाज जो खरीफ की फसल में पैदा होता है।

ज्वार-भाटा पुं. (देश.) 1. समुद्र के जल का-चढ़ाव-उतार 2. लहरों का घटना और बढ़ना।

ज्वारी पुं. (देश.) दे. जुआरी।

ज्वाल पुं. (तत्.) 1. अग्निशिखा, आग की लपट 2. मशाल।

ज्वालक पुं. (तत्.) जलाने वाला।

ज्वाला स्त्री. (तत्.) 1. लपट, अग्निशिखा 2. आग 3. ताप, जलन 4. विष की गरमी मुहा. ज्वाला फूँकना- गरमी पैदा करना।

ज्वालादेवी स्त्री. (तत्.) शारदा पीठ स्थित एक देवी।

ज्वालामुखी स्त्री. (तत्.) 1. अग्नि, लावा 2. लावा निकलने का स्थान।

ज्वालामुखी पर्वत पुं. (तत्.) वह पर्वत जिसकी चोटी के पास स्थित गर्त से कोयला, राख, जलता हुआ तरल पदार्थ एवं गैस आदि (लावा) निकलता है।

ज्वाली वि. (तत्.) ज्वालामय, ज्वालायुक्त पुं. शिव।